

ट्रैफिक पुलिसकर्मी कर रहे तीन शिफ्ट में ड्यूटी

शाह टाइम्स संवाददाता
नई दिल्ली। नई दिल्ली में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने अब तीन शिफ्टों में ड्यूटी शुरू कर दी है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी प्रमुख मार्ग, चौराहों समेत प्रमुख स्थलों पर तीन शिफ्टों में एक बार रहते हैं। यहाँ वाहनों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। इससे रात के समय बाइक्स का हड्डंग भी कम होगा।

दिल्ली की ट्रैफिक पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभी तक ट्रैफिक पुलिसकर्मी प्रमुख मार्ग, चौराहों समेत देश में ऐसा पहली बार हो रहा है। यहाँ वाहनों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। इससे रात के समय बाइक्स का हड्डंग भी कम होगा।

तीसरी शिफ्ट रात ११ से सुबह ७ बजे तक ड्यूटी करेंगे। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नई दिल्ली में तीसरी शिफ्ट में कुल ८५ ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को तीन शिफ्टों में १३०० से ज्यादा हाईकोर्ट की शेरशाह सूरी मार्ग पर पाकिंग होता है। उन्होंने बताया कि तीसरी शिफ्ट में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को ज्यादातः इंडिया गेट, कनेट प्लैस, बाराखांगा रोड, खान मार्केट, पंडाया रोड, यशवंत प्लैस, प्राप्ति नेहांगा आदि जगहों पर तीन शिफ्टों में एक पुलिसकर्मी सड़कों पर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते, प्रमुख एवं वित्तीय जगहों पर हड्डंग मचाने वाले और संदिग्ध लोगों पर नजर रखेंगे।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि ट्रैफिक पुलिसकर्मी ४८ घंटे तीनों से इंडिया गेट पर बाइक्स का स्टैट व हुड्डंग पूरी तरह बढ़ हो गया है। पहले बाइक्स के पार्टी में एक बाइक्स का हड्डंग व स्टैट्स वाली करते हुए दिखाई देते थे। नई दिल्ली जिले के लिए के ट्रैफिक पुलिसकर्मी पहली शिफ्ट सुबह ७ से ३ बजे तक, दूसरी शिफ्ट दोपहर ३ बजे से रात ११ बजे तक और

हमेशा तीन रहते हैं और हड्डंग मचाने वालों को तुरंत दबोच लेते हैं। ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली हाईकोर्ट की शेरशाह सूरी मार्ग पर पाकिंग होता है। अधिवक्ता वाहनों को रोड पर छोड़ देते थे और पाकिंग खाली रहती रहती है। अब वात एसोसिएशन, अधिवक्ताओं और रेजिस्टर से बात कर गाइंगों को पाकिंग में जारी करते हैं। पहले जारी करने के बाद सूरक्षा अधिकारी पूरे विमान में बैठक की तिथि पर लियी थी।

अन्य पाकिंगों में भी वाहनों को पार्क करने के प्रयास किया जा रहा है। इस सिस्टम के तहत ट्रैफिक पुलिसकर्मी हमेशा तीन रहते हैं। इसके अलावा हर शिफ्ट में तीन रहते हैं। इसके पार्टी में एक बाइक्स का हड्डंग व स्टैट्स के लिए आने वाले लोग अपने वाहनों को इधर-उधर पार्क कर देते थे और इससे जाम लगता था।

शाह टाइम्स संवाददाता के लिए के ट्रैफिक पुलिसकर्मी न के बाबर ही दिखाई देते थे। नई दिल्ली जिले में ट्रैफिक पुलिसकर्मी पहली शिफ्ट सुबह ७ से ३ बजे तक, दूसरी शिफ्ट दोपहर ३ बजे से रात ११ बजे तक और

एयर इंडिया की प्लाइट में मची अफरातफरी टिशू पेपर पर लिखा था 'बम'

नई दिल्ली। मुंबई से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब क्रू मेंबर ने विमान में एक टिशू पेपर देखा, जिस पर शब्द लिखा था। उत्तर कंट्रीय ऑफिशियल मुक्ति वाले और दिल्ली पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। बताया जा रहा है कि एयर इंडिया के विमान में बैठक की तिथि पर लियी थी। विमान में क्रू मेंबर का टिशू पेपर मिला। इसकी जानकारी के बाद एयर इंडिया की जानकारी पूरे विमान में बैठक की तिथि पर लियी थी।

इससे पहले वांछे शविकारों को एयर इंडिया की बर्मिंघम (ब्रिटेन) दिल्ली आ रही एक उड़ान को बम की धमकी मिलने के बाद सज्जादी अब के वियाद शहर में डायवरट करना पड़ गया था। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने रोविंग को इस घटना को सुनिश्चित किया है। एयर इंडिया न अपने बायान को सुरक्षित रियाद एयरपोर्ट पर उतारा गया और पूरी सुरक्षा जांच की गई। जाच में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया।

इस हफ्ते 'संतोषजनक' रहा एक्यूआई: पर्यावरण मंत्री

शाह टाइम्स संवाददाता के लिए के दिल्ली की ओर आ रही मुहिम है यह दिल्ली की हवा, जमीन और सड़कों को साफ करने की। चाहे के चरा हो, धूल हो या गाड़ियों से निकलने वाला धुआँ ख्र है चुनौती का जवाब सीधे एक्शन, साइटिंग करने की जाएगी और विभागीय तालमेल से दिया जा रहा है।

उड़ाने कहा कि ५४ ऊँची इमारतों में अब तक एटी स्मार्ट गन लगानी है, जो दिल्ली सरकार के पर्यावरण एक्शन लाइन के तहत अनिवार्य को गई है। यह क्रम खासकर घनी आबादी वाले और विभागीय तालमेल से दिया जा रहा है। एयर इंडिया की प्लाइट नंबर २१४८ में बम है।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह सिरसे सिरसे ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, बल्कि हर विधान द्वारा जमीन पर हो रहे प्रवासों का नीतिज्ञ है।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

सिरसे ने कहा कि 'दिल्ली को अब लैंडफिल और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

चल रही मुहिम है यह दिल्ली की हवा, जमीन और सड़कों को साफ करने की। चाहे के चरा हो, धूल हो या गाड़ियों से निकलने वाला धुआँ ख्र है चुनौती का जवाब सीधे एक्शन, साइटिंग करने की जाएगी और विभागीय तालमेल से दिया जा रहा है।

उड़ाने कहा कि ५४ ऊँची इमारतों में अब तक एटी स्मार्ट गन लगानी है, जो दिल्ली सरकार के पर्यावरण एक्शन लाइन के तहत अनिवार्य को गई है। यह क्रम खासकर घनी आबादी वाले और विभागीय तालमेल से दिया जा रहा है।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कहा कि यह सुधार के बहुत मौसम का असर नहीं है, जो दिल्ली सरकार के एटी स्मार्ट गन लगानी है। ये अलग-अलग प्रायोग से कम सही हैं और खाबर हवा के लिए नहीं जाना जाएगा। हांगा लगानी जाएगी।

पर्यावरण मंत्री मनजित रसिह ने कह

जिलाधिकारी ने उद्योग बंधुओं के साथ की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। शुक्रवार को जिलाधिकारी अधिकारी पांडे ये की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की मासिक बैठक संबंधित हुई। बैठक के मुख्य उद्देश्य आयोगिक क्षेत्रों में भूलभूत सुविधाओं और समस्याओं के समाचार पर रहा।

बैठक के दौरान, जिलाधिकारी ने आयोगिक क्षेत्र पर्याजी रोड हापुड़ पर सड़क और नाला निर्माण के संबंध में विविध प्रधान, यूपीसीडी को प्रस्तुत अनुमति प्रदान करने के निर्देश दिए। धीरखेड़ा आयोगिक क्षेत्र में स्थापित इकाइयों की जल निकासी की समस्या के समाचार में जिलाधिकारी ने धीरखेड़ा पर्याजी रोड हापुड़ पर सड़क और नाला निर्माण के संबंध में विविध प्रधान, यूपीसीडी को विविध प्रधान, यूपीसीडी को प्रस्तुत अनुमति प्रदान करने के निर्देश दिए। धीरखेड़ा आयोगिक क्षेत्र की समस्या के समाचार में जिलाधिकारी ने धीरखेड़ा पर्याजी रोड हापुड़ पर सड़क और नाला निर्माण के संबंध में विविध प्रधान, यूपीसीडी को विविध प्रधान, यूपीसीडी को प्रस्तुत अनुमति प्रदान करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, उद्योग बंधु विद्युत विभाग के अधिकारी को बैठक में बिजली की समस्या को तकाल ठीक कर बिजली की निर्देश दिया। जिससे कारखानों में बिजली की कमी के कारण आ ही समस्या के समाचार में जिलाधिकारी ने धीरखेड़ा पर्याजी रोड हापुड़ पर सड़क और नाला निर्माण के संबंध में विविध प्रधान, यूपीसीडी को विविध प्रधान, यूपीसीडी को प्रस्तुत अनुमति प्रदान करने के निर्देश दिए। इस बैठक में उपस्थित उद्योगियों को धीरखेड़ा की जलपद में सम्मिलित करने की कार्रवाई शासन स्तर पर



जनप्रतिनिधियों संग एसपी की गोष्ठी, कानून-व्यवस्था पर हुआ मंथन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। एसपी कुवर जानंचय मिंड द्वारा पुलिस कार्यालय में जनद के जनप्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण गोष्ठी की आयोजन किया गया। इस दौरान थेंट की जलसमस्याओं, अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था की स्थिति और शांति-व्यवस्था के संबंधी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा गई।

गोष्ठी में जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं से पुलिस अधीक्षक के अवगत कराया। एसपी ने उपस्थिति के अवधारणा के खिलाफ दिलाया कि आमजन की सुरक्षा और अपराध पर अंतर्का स्तर पर कानून-व्यवस्था प्राथमिकता है। इसके लिए पुलिस सतत रूप से संजग और सक्रिय है। एसपी कुवर जानंचय सिंह ने कहा



कि जनप्रतिनिधियों की भूमिका समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए उपस्थित किया कि प्राप्त सुझाओं को गंभीरता से अलम में लाया जाए। गोष्ठी में संबंधित थानों के अधिकारीण के साथ दिलाया गया।

केबल बक्सा फटने से विद्युत आपूर्ति बाधित

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। एसपी कुवर जानंचय मिंड द्वारा बक्सा फटने से शहर तह विद्युत आपूर्ति बढ़ी रही है। इस घटना के कारण दिल्ली रोड पर विद्युत कई इलाकों में बिजली गुल हो गई, जिससे भूमिका समाचार के बीच लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली आपूर्ति में हुई इस घटना के चर्चते बिजली ने लोगों के साथ अखंक-मिलावी के अवसर करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उद्योग ने पुलिस और जनप्रतिनिधियों के बीच बैठत

मोहरम को सकुशल संपन्न कराने को लेकर डीआईजी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मोहरम के पर्व को लेकर कानून व्यवस्था बाना-रखने के लिए पुलिस-प्रशासन ने कमान के लिए बैठक निवासी ने बैठक, बुलेट्रेन, बागपात और हापुड़ कलानिधि नैथानी ने नैरे, बैठक, बुलेट्रेन, बागपात और हापुड़ कलानिधि के लिए बैठक के अवधारणा के सभी जनपदों के साथ दिलाया। इसके अतिरिक्त, कुल 98 स्थानों पर मजलिसों का आयोजन प्रसंहरण जैसे उद्योग ने बिजली के लिए बैठक किया। प्रशासन ने चारों जिलों में 51 स्थानों को संवेदनशील या हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित किया, जिनमें मेरठ के 15, बुलेट्रेन के 22, बागपात के 4 और हापुड़ के 10 स्थानों को सुझाव दिया है। इन स्थानों के लिए बैठक के अवधारणा के सभी जनपदों के साथ दिलाया जाएगा।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने बताया कि रेंज के चारों जिलों में इस वर्ष कुल 386 जुलास निकाल जाएंगे, जिनमें 574 ताजिये शामिल हैं।



उपनिरीक्षक, 697 मुख्य आरक्षी, 1345 आरक्षी, 682 होमगाड़ी/पीआरडी और एक कंपनी पीपीकोरी के लिए कुल 21 जून, 88 स्थान शामिल हैं। इन स्थानों के लिए बैठक के अवधारणा के सभी विद्युतरियों को आवादी की जिम्मेदारी सहित दिलाया जाएगा।

उपनिरीक्षक, 697 मुख्य आरक्षी, 1345 आरक्षी, 682 होमगाड़ी/पीआरडी और एक कंपनी पीपीकोरी के लिए कुल 21 जून, 88 स्थान शामिल हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले करने के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं।

डीआईजी नैथानी ने बताया कि जिलों के लिए बैठक के अवधारणा के सभी जनपदों के साथ दिलाया जाएगा।

उपनिरीक्षक, 697 मुख्य आरक्षी, 1345 आरक्षी, 682 होमगाड़ी/पीआरडी और एक कंपनी पीपीकोरी के लिए कुल 21 जून, 88 स्थान शामिल हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले करने के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं।

डीआईजी नैथानी ने बताया कि जिलों के लिए बैठक के अवधारणा के सभी जनपदों के साथ दिलाया जाएगा।

उपनिरीक्षक, 697 मुख्य आरक्षी, 1345 आरक्षी, 682 होमगाड़ी/पीआरडी और एक कंपनी पीपीकोरी के लिए कुल 21 जून, 88 स्थान शामिल हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले करने के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं।

डीआईजी नैथानी ने बताया कि जिलों के लिए बैठक के अवधारणा के सभी जनपदों के साथ दिलाया जाएगा।

उपनिरीक्षक, 697 मुख्य आरक्षी, 1345 आरक्षी, 682 होमगाड़ी/पीआरडी और एक कंपनी पीपीकोरी के लिए कुल 21 जून, 88 स्थान शामिल हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले करने के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं।

डीआईजी नैथानी ने बताया कि जिलों के लिए बैठक के अवधारणा के सभी जनपदों के साथ दिलाया जाएगा।

उपनिरीक्षक, 697 मुख्य आरक्षी, 1345 आरक्षी, 682 होमगाड़ी/पीआरडी और एक कंपनी पीपीकोरी के लिए कुल 21 जून, 88 स्थान शामिल हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले करने के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं।

डीआईजी नैथानी ने बताया कि जिलों के लिए बैठक के अवधारणा के सभी जनपदों के साथ दिलाया जाएगा।

उपनिरीक्षक, 697 मुख्य आरक्षी, 1345 आरक्षी, 682 होमगाड़ी/पीआरडी और एक कंपनी पीपीकोरी के लिए कुल 21 जून, 88 स्थान शामिल हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले करने के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं। तोहाने छत्ते से पथर, बोतल आदि हटाने और तारों को ऊंचा की जावादी और धीमी धाढ़ा और मिश्रित आवादी वाले के लिए बैठक के अवधारणा के साथ कुल 262 गोम्बारी के अवधारणा के अनुपालन में जारी गये हैं।

स्थायी शांति की जरूरत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का यह कहना बिल्कुल सही है कि जब तक जटिल मुद्रों का समाधान नहीं हो जाता, तब तक चीन सीमा पर स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। असल में इस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शांघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लेने के लिए चीन गए हैं। गुरुवार को हुई बैठक से इतर उन्होंने चीन के रक्षा मंत्री पद्मिल डॉन जून के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में स्थायी समाधानों पर बल दिया। शुक्रवार को भारतीय रक्षा मंत्रालय ने एक बैठक आयोजित की जिसमें रक्षा मंत्री सौहार्द बनाए रखने की बोहद जरूरत है। अच्छी बात यह है कि श्री सिंह ने द्विपक्षीय संबंधों में समान्य स्थिति बाहाल करने के लिए दोनों पक्षों द्वारा किए जा रहे कार्य पर संतोष प्रकट किया। रक्षा मंत्री ने सीमा प्रवर्धन पर जोर दिया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार दोनों नेताओं ने परस्पर लाभ के साथ-साथ एशिया और दुनिया में स्थिरता के लिए सहयोग बढ़ाने पर भी बल दिया। जैसाकि हम जानते हैं 2020 में सीमा पर उस समय गतिशील उत्पन्न हो गया था, जब वहां सैनिक झड़प हो गई थी। उसी से ही अविश्वास का मालौद बना हुआ है। हालांकि जिस तरह दोनों मंत्रीयों ने मौजूदा व्यवस्थाओं के माध्यम से सैनिकों की वापसी, तात्पर कम करना, सीमा प्रवर्धन और सीमांकन मुद्रों पर प्रगति हासिल करने के लिए विभिन्न स्तरों पर परामर्श जारी रखने पर सहयोग की बात की है वह एक अच्छा संकेत है। भारतीय रक्षा मंत्री चीन के रक्षा मंत्री के साथ ही बिल्कुल रूसी रक्षा मंत्री बेलास्स, तजाकिस्तान, कजाकिस्तान के रक्षा मंत्रियों से भी मिल रहे हैं और आपसी सहयोग के गर्ते भी यह संबंध रह रहा है। साथ ही वह आपसें सिंह-द्वारा के विषय में भी भारत के डिप्टोकों को रख रहे हैं और बात रहे हैं कि आखिर भारत को आपसें सिंह-अधियान क्यों चलाना पड़ रहा है। इसमें कोई दायर नहीं है कि जिस तरह इस समय तानाव बना हुआ है, इजरायल हमास संघर्ष, रूस-यूक्रेन और अब हाल ही में ईरान-इजरायल संघर्ष से इस बात का और महत्व बढ़ गया है कि भारत चीन की बीच तानाव को कम किया जाए। यांकिक दृष्टियों के लिए विनाशकारी साजा होती थी। यह किस तरह की इंगरेजी पद से बदल क्यों हुआ? सिफ गाना-बजाना।

विदेश मेजेने के नाम पर लक्षी सेना में भर्ती

प्रधानमंत्री मोदी के अमृत काल में विदेश भर्जन के नाम पर जमकर धधा चल रहा है और देश के युवाओं से भारी भ्रकम राशि वसूल कर उन्हें धोखे से युक्त से लड़ने के लिए रूसी सेना में भर्ती करना जा रहा है, अमृत काल में जिस तरह के काम हो रहे हैं, वह बहद चिंताजनक है, देश के युवाओं को विदेश जाने के नाम पर बहला फूसला कर उनसे मोटी रकम ऐंटी जा रही है और उन्हें धोखे से युक्त सेना में भर्ती करना अनुमति के हमारे लोगों को बहाने की नाम से अपने प्रति रक्तरहा है। भारत ने साफ कह दिया है कि कोई भी दोस्ती एकत्रणा नहीं हो सकती। समानता के आधार पर अपनाया गया फार्मूला ही कारारार साबित होगा।



-अमरिंदर सिंह बरार, लोकसभा सांसद, कांग्रेस

3J गर आप सजग न रहे तो सत्ता और मीडिया का खतरनाक गजबोल आपको नफरती बना देगा। मीडिया आपमें शोधक के प्रति ही सनाहनू भूति पैदा कर देगा और जिसका शोषण हो रहा है, उसे अपराधी करार देगा। 2014 के बाद से भारत के मेन स्ट्रीम मीडिया ने सत्ता के साथ गलबद्धियों को बढ़ावा दी। मीडिया ने अधोविष्ट आपातकाल, अन्याय, गरीबी, खुखरायी, बेरोजगारी और शर्म जैसे विषयों को गोरख का विषय बना दिया और तुरंत यह कि मीडिया आपको 1975 के उस आपातकाल की ओर ले गया, जिसका समर्थन ऐसे लोगों ने किया था, जो आज फर्जी राष्ट्रवाद का सिंहरु लगा कर ठहर रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का यह कहना बिल्कुल सही है कि जब तक जटिल मुद्रों का समाधान नहीं हो जाता, तब तक चीन सीमा पर स्थायी शांघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लेने के लिए चीन गए हैं। गुरुवार को हुई बैठक से इतर उन्होंने चीन के रक्षा मंत्री पद्मिल डॉन जून के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में स्थायी समाधानों पर बल दिया। शुक्रवार को भारतीय रक्षा मंत्रालय ने एक बैठक आयोजित की जिसमें रक्षा मंत्री सौहार्द बनाए रखने की बोहद जरूरत है। अच्छी बात यह है कि श्री सिंह ने द्विपक्षीय संबंधों में समान्य स्थिति बाहाल करने के लिए दोनों पक्षों द्वारा किए जा रहे कार्य पर संतोष प्रकट किया। रक्षा मंत्री ने सीमा प्रवर्धन पर जोर दिया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार दोनों नेताओं ने परस्पर लाभ के साथ-साथ एशिया और दुनिया में स्थिरता के लिए सहयोग बढ़ाने के लिए एक बैठक आयोजित की जिसमें रक्षा मंत्री शांघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद से भारत के मेन स्ट्रीम मीडिया ने सत्ता के साथ गलबद्धियों को बढ़ावा दी। मीडिया ने अधोविष्ट आपातकाल, अन्याय, गरीबी, खुखरायी, बेरोजगारी और शर्म जैसे विषयों को गोरख का विषय बना दिया और तुरंत यह कि मीडिया आपको 1975 के उस आपातकाल की ओर ले गया, जिसका समर्थन ऐसे लोगों ने किया था, जो आज फर्जी राष्ट्रवाद का सिंहरु लगा कर ठहर रहे हैं।

नताने में प्रति चाहे विवाद नहीं हो जाता। उत्तर प्रदेश और बिहार में नौकरियों मांगने वे विकल्प पर्याप्त करने की मांग को लेकर धरना दे रहे और प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं पर बबरल लाठीचार्ज कर देना। इलाहाबाद विवादियों का खिलाफ लगा कर ठहर रहे हैं। 11 सालों में एक भी प्रेस कॉर्नेस कर न करना। उत्तर प्रदेश और बिहार में नौकरियों मांगने वे विकल्प पर्याप्त करने की मांग को लेकर धरना दे रहे और प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं पर बबरल लाठीचार्ज कर देना। इलाहाबाद विवादियों का खिलाफ लगा कर ठहर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के लिए एक बैठक की जिसमें रक्षा मंत्री शांघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद से भारत के मेन स्ट्रीम मीडिया ने सत्ता के साथ गलबद्धियों को बढ़ावा दी। मीडिया ने अधोविष्ट आपातकाल, अन्याय, गरीबी, खुखरायी, बेरोजगारी और शर्म जैसे विषयों को गोरख का विषय बना दिया और तुरंत यह कि मीडिया आपको 1975 के उस आपातकाल की ओर ले गया, जिसका समर्थन ऐसे लोगों ने किया था, जो आज फर्जी राष्ट्रवाद का सिंहरु लगा कर ठहर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के लिए एक बैठक की जिसमें रक्षा मंत्री शांघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद से भारत के मेन स्ट्रीम मीडिया ने सत्ता के साथ गलबद्धियों को बढ़ावा दी। मीडिया ने अधोविष्ट आपातकाल, अन्याय, गरीबी, खुखरायी, बेरोजगारी और शर्म जैसे विषयों को गोरख का विषय बना दिया और तुरंत यह कि मीडिया आपको 1975 के उस आपातकाल की ओर ले गया, जिसका समर्थन ऐसे लोगों ने किया था, जो आज फर्जी राष्ट्रवाद का सिंहरु लगा कर ठहर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के लिए एक बैठक की जिसमें रक्षा मंत्री शांघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद से भारत के मेन स्ट्रीम मीडिया ने सत्ता के साथ गलबद्धियों को बढ़ावा दी। मीडिया ने अधोविष्ट आपातकाल, अन्याय, गरीबी, खुखरायी, बेरोजगारी और शर्म जैसे विषयों को गोरख का विषय बना दिया और तुरंत यह कि मीडिया आपको 1975 के उस आपातकाल की ओर ले गया, जिसका समर्थन ऐसे लोगों ने किया था, जो आज फर्जी राष्ट्रवाद का सिंहरु लगा कर ठहर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के लिए एक बैठक की जिसमें रक्षा मंत्री शांघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद से भारत के मेन स्ट्रीम मीडिया ने सत्ता के साथ गलबद्धियों को बढ़ावा दी। मीडिया ने अधोविष्ट आपातकाल, अन्याय, गरीबी, खुखरायी, बेरोजगारी और शर्म जैसे विषयों को गोरख का विषय बना दिया और तुरंत यह कि मीडिया आपको 1975 के उस आपातकाल की ओर ले गया, जिसका समर्थन ऐसे लोगों ने किया था, जो आज फर्जी राष्ट्रवाद का सिंहरु लगा कर ठहर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के लिए एक बैठक की जिसमें रक्षा मंत्री शांघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद से भारत के मेन स्ट्रीम मीडिया ने सत्ता के साथ गलबद्धियों को बढ़ावा दी। मीडिया ने अधोविष्ट आपातकाल, अन्याय, गरीबी, खुखरायी, बेरोजगारी और शर्म जैसे विषयों को गोरख का विषय बना दिया और तुरंत यह कि मीडिया आपको 1975 के उस आपातकाल की ओर ले गया, जिसका समर्थन ऐसे लोगों ने किया था, जो आज फर्जी राष्ट्रवाद का सिंहरु लगा कर ठहर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के लिए एक बैठक की जिसमें रक्षा मंत्री शांघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद से भारत के मेन स्ट्रीम मीडिया ने सत्ता के साथ गलबद्धियों को बढ़ावा दी। मीडिया ने अधोविष्ट आपातकाल, अन्याय, गरीबी, खुखरायी, बेरोजगारी और शर्म जैसे विषयों को गोरख का विषय बना दिया और तुरंत यह कि मीडिया आपको 1975 के उस आपातकाल की ओर ले गया, जिसका समर्थन ऐसे लोगों ने किया था, जो आज फर्जी राष्ट्रवाद का सिंहरु लगा कर ठहर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के लिए एक बैठक की जिसमें रक्षा मंत्री शांघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद से भारत के मेन स्ट्रीम मीडिया ने सत्ता के साथ गलबद्धियों को बढ़ावा दी। मीडिया ने अधोविष्ट आपातकाल, अन्याय, गरीबी, खुखरायी, बेरोजगारी और शर्म जैसे विषयों को गोरख का विषय बना दिया और तुरंत यह कि मीडिया आपको 1975 के उस आपातकाल की ओर ले गया, जिसका समर्थन ऐसे लोगों ने किया था, जो आज फर्जी राष्ट्रवाद का सिंहरु लगा कर ठहर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के लिए एक बैठक की जिसमें रक्षा मंत्री शांघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद से भारत के मेन स्ट्रीम मीडिया ने सत्ता के साथ गलबद्धियों को बढ़ावा दी। मीडिया ने अधोविष

